• 6 राज्य
• 2 केंद्रशासित प्रदेश
• 22 संस्करण

राजधानी •
वर्ष 23 | अंक 247 | पृष्ठ : 16+6
मूल्य : चार रुपये

अमर उजाला

नई दिल्ली
सोमवार, 15 दिसंबर 2025
पौष कृष्ण-एकादशी
विक्रम संवत-2082

भारत में मेसी वानखेड़े में दो महानायकों सचिन और मेसी का हुआ मिलन...स्पोर्ट्स

यीडा के सेक्टर-28 में बनेंगे दो सेमीकंडक्टर पार्क

फॉक्सकॉन से अलग एक और सेमीकंडक्टर पार्क की तैयारी पर काम कर रहा यमुना प्राधिकरण

अतुल भारद्वाज

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी चिप हब के लिए भी जाना जाएगा। सेक्टर-10 की जगह सेक्टर-28 में अब एक नहीं बल्कि दो सेमीकंडक्टर पार्क बनेंगे। इसी महीने एचसीएल की सहयोगी कंपनी वामासुंदरी के साथ संयुक्त उपक्रम जेवी में ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन को भूखंड आवंटित हो जाएगा। एक और सेमीकंडक्टर पार्क के लिए 125 एकड़ जमीन प्राधिकरण ने आरक्षित कर दी है। इसके लिए भी कुछ कंपनियां प्राधिकरण के संपर्क में हैं।

प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक, यूपी सरकार की कैबिनेट मंजूरी के बाद सेक्टर-10 की जगह सेक्टर-28 में फॉक्सकॉन की सहयोगी कंपनी वामासुंदरी को भूखंड देने की अनुमति मिली। कुछ रियायतें भी आर्थिक सहयोग के लिए शासन की तरफ से इस कैबिनेट मंजूरी का हिस्सा रहीं। अब जमीन आवंटन की प्रक्रिया यमुना प्राधिकरण और वामासुंदरी कर रहे हैं।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार से भी सब्सिडी और रियायतें ले रही जेवी को आवंटन से पहले आवंटी कंपनी के नाम में जरूरी बदलाव के लिए मंजूरी लेनी है। इसके बाद आवंटन पत्र जारी कर दिया जाएगा। इस फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर पार्क के लिए 48 एकड़ जमीन आरक्षित है।

प्राधिकरण की योजना के मुताबिक, सेक्टर-28 में सेमीकंडक्टर को फोकस करते हुए 173 एकड़ जमीन आरक्षित की गई है। दूसरे पार्क के लिए 125 एकड़ जमीन एक ही जगह उपलब्ध होगी। आवश्यकता होने पर एक से अधिक कंपनियों को भी सहमति मिलने पर जमीन आवंटित की जा सकती है। यह जमीन 350 एकड़ में विकसित हो रहे मेडिकल डिवाइस पार्क के पास है। प्राधिकरण से इस प्रोजेक्ट के लिए हीरानंदानी समूह की कंपनी टार्क सेमीकंडक्टर्स भी प्राधिकरण और शासन के अधिकारियों के संपर्क में है। जापान और कोरिया के निवेशक भी इस क्षेत्र में यहां आना चाहते हैं। दूसरे प्रोजेक्ट को भी जल्दी ही मंजूरी मिल सकती है।

डाटा सेंटर भी बनेगा

सेक्टर-28 को यमुना प्राधिकरण डाटा सेंटर का भी हब बनाना चाहता है। नियोजन में यहां डाटा सेंटर के लिए 18 एकड़ जमीन आरक्षित है। इसमें छह भूखंड विकसित किए गए हैं। पांच एकड़ का एक भूखंड यहां देश की एक बड़ी कंपनी को आवंटित भी किया जा चुका है। बाकी भूखंड भी आवंटन करने की प्रक्रिया में प्राधिकरण है। योजना के मुताबिक भविष्य में क्लाउड कंप्यूटिंग के बढ़ते चलन को देखते हुए डाटा सेंटर्स की जरूरत होगी। भविष्य को ध्यान में रखते हुए ही इसकी योजना पर काम शुरू किया गया है। सेक्टर-28 में बड़ी कंपनियों के निवेश के लिए सबसे अधिक नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की नजदीकी इसका आकर्षण बढ़ा रही है। फेज-2 में प्रस्तावित रखरखाव और सर्विस के लिए एविएशन हब से पांच किमी के अंदर ही यह सुविधाएं विकसित होंगी। सेमीकंडक्टर पार्क, डाटा सेंटर और मेडिकल डिवाइस पार्क तीनों को ही इसका फायदा एयरपोर्ट की नजदीकी के तौर पर मिलेगा।